सेंट्रल माइन प्लानिंग एण्ड डिजाइन इंस्टीच्यूट लिमिटेड : सफलता की कहानी

1. **विस्तृत ड्रिलिंग (लाख मीटर)**

   वर्ष 2014-15 से 2017-18 के दौरान कुल विस्तृत ड्रिलिंग बढ़कर 43.14 लाख मीटर पहुँच गया है, जबकि वर्ष 2010-11 से 2013-14 के दौरान 22.5 लाख मीटर कुल विस्तृत ड्रिलिंग किया गया था। इसके अलावा, वर्ष 2013-14 में 6.97 लाख मीटर की उपलब्धि पर वर्ष 2014-2018 के दौरान सीएजीआर 18.32% है। वर्ष 2018-19 में जनवरी माह तक विस्तृत ड्रिलिंग 10.55 लाख मीटर के स्तर तक पहुँच गई है ।

2. **प्रमाणित श्रेणी में शामिल कोयला संशोधन (अरब टन)**
   - वर्ष 2014-15 से 2017-18 के दौरान प्रमाणित कोयला संसाधन बढकर 19.3 अरब टन पहुँच गया है जो वर्ष 2010-11 से 2013-14 के दौरान 11.2 अरब टन प्राप्त किया गया था।

3. **कोयला परियोजना की नियोजित क्षमता (मिलियन टन प्रतिवर्ष)**
   - वर्ष 2014-15 से 2017-18 के दौरान कोयले के लिए परियोजना की नियोजित क्षमता बढ कर 367 मिलियन टन प्रतिवर्ष पहुँच गया है जो वर्ष 2010-11 से 2013-14 के दौरान 335.56 मिलियन टन प्रतिवर्ष प्राप्त किया गया था।
   - वर्ष 2018-19 में दिसम्बर माह तक कोयला परियोजना की नियोजित क्षमता 52 मिलियन टन प्रतिवर्ष तक पहुँच गई है ।

4. **भारत में सबसे बड़ी क्षमता वाली खुली खान का प्लानिंग (गेवरा खुली खान 70 मिलियन टन प्रतिवर्ष)**
   - भारत में सबसे बडी खुली खान माने जाने वाली गेवरा खुली खान (70 मी.ट.व.) की परियोजना रिपोर्ट सीएमपीडीआई द्वारा नियोजित की गई थी जिसे मार्च, 2016 में सीआईएल बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया गया था।
   - वर्तमान में, गेवरा विस्तार खुली खान से 45.0 मिलियन टन प्रतिवर्ष के पीक कोल उत्पादन के लिए पर्यावरण मंजूरी मिली है ।
   - प्रौद्योगिकी प्रस्तावित
     - कोयला निष्कर्षण के लिए सर्फेस माइनर
     - ओ.बी. रिमूवल के लिए 240 (टीई) डम्पर के साथ 42 cu.m रोप शोवेल।
     - इनपिट कोयला परिवहन के लिए पारंपरिक इनपिट बेल्ट कन्वेयर के साथ-साथ शिफ्टेबल कन्वेयर।
     - सतही कोयला परिवहन के लिए 8 सिलोस सहित 2 लोड आऊट प्रणाली।

   - वर्ष 2017-18 के दौरान प्रदर्शन
     - कोयला उत्पादन: 41.433 मिलियन टन
     - ओबी निष्कासन: 58.17 मिलियन. Cum.
     - समग्र उत्खनन: 82.98 मिलियन. Cum.

- ओएमएस: 55.66 ट्न

5. कोल माइन सर्वेलांस एण्ड मैनेजमेंट सिस्टम (सीएमएसएमएस)

- पहचान करने और अवैध कोयला खनन गतिविधियों की रिपोर्ट करने के लिए बिसाग, गाँधीनगर के सहयोग से जीआईएस प्रणाली पर आधारित एक वेब को विकसित किया गया है।
- पहचान की प्रक्रिया
  - तीन महीने के अंतराल पर सैटेलाइट इमेज की स्केनिंग के जरिए
  - मोबाइल एप "खनन प्रहरी" के जरिए जो एंड्रॉइड के लिए गूगल प्ले स्टोर पर और आईओएस के लिए एप्पल स्टोर पर उपल्ब्ध ।
- रिपोर्टों/शिकायतों पर कार्यवाई
  - कोल इंडिया की अनुषंगी कम्पनीयाँ/राज्य सरकार द्वारा चिन्हित नामित (नोडल) अधिकारी द्वारा
- सिस्टम डिजाइन सीएमपीडीआई द्वारा किया गया है ।
- होस्टिंग एवं आवश्यक वेब एवं मोबाइल डेवलपमेंट सपोर्ट बिसाग द्वारा उपलब्ध कराया गया।
- खनन प्रहरी मोबाइल एप से प्राप्त फोटोग्राफी :

शिकायतकर्ता द्वारा खनन की प्रकृति और क्षेत्र का संक्षिप्त विवर्ण सहित जियोटेगड़ चित्र

सीएमएसएमएस की लॉचिंग की तस्वीरें

6. ऑनलाइन कोल ब्लॉक इंफॉर्मेशन सिस्टम (ओसीबीआईएस)

- यह प्रणाली सीएमपीडीआई द्वारा विकसित की गई है, इसमें कोयला ब्लॉक, कोयलाक्षेत्र एवं सीबीएम के स्तरों के बारे में सूचना शामिल है।
- ओसीबीआईएस विभिन्न कलर कोडिंग सहित विभिन्न कोटियों/श्रेणियों अर्थात कोल इंडिया, अतिरिक्त कोल इंडिया, कैप्टिव, गैर सीआईएल के कोयलाक्षेत्र, ब्लॉकों के ड्ब्ल्यूजीएस 84 प्रणाली में जियो-रेफ्रेंस्ड बाउण्ड्रीज को प्रदर्शित करने के लिए डिजाइन किया गया है।
- क्षेत्र, ब्लॉक का रिजर्व (भंडार), गवेषण की स्थिति और आवंटन से संबंधित सूचना को प्रदर्शित किया जाता है।
- मैप और सैटेलाइट इमेज दोनों के गुगल अर्थ पर विजुअलाइज करने के लिए कोयला क्षेत्र, ब्लॉक और सीबीएम का विभिन्न स्तर उपलब्ध है।
- सीबीएम बाउण्ड्री विकास के तहत अथवा उत्पादन के तहत सीबीएम ब्लॉक का नाम, क्षेत्र, किसे दिया गया है, स्थिति आदि का विस्तृत विवरण देता है।
- यह प्रणाली यूजर अथेंटिकेशन से सुरक्षित है। इन स्तरों को गूगल मैप पर अच्छी तरह से दर्शाया गया है क्योंकि गूगल मैप पर उपलब्ध कराया गया टेरेन/सैटेलाइट मैप पर दर्शाने के लिए प्रणाली सक्षम है। यह आधारभूत संरचना, वनरोपण और जलाशयों जैसे भूमिगत विशेषताओं को दिखाने में सक्षम है।

7. माईन डाटा मैनेजमेंट सिस्टम (एमडीएमएस) :

- माईन डाटा मैनेजमेंट सिस्टम, कोल इंडिया लिमिटेड के लिए सीएमपीडीआई द्वारा विकसित किया गया है, जिसके द्वारा मॉनीटरिंग एजेंसियाँ एक ही स्रोत से माईन डाटा / सूचना प्राप्त करने का लाभ ले रही है।
- यह कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा मॉनीटर किए जा रहे परियोजनाओं के प्रमुख विशेषताओं को चित्रित करता है।
- इस पोर्टल की प्रमुख विशेषता है, कोयला परियोजनाओं की प्रगति का मॉनीटर करना, जिसमें पर्यावरण स्वीकृति (ईसी), वन स्वीकृति (एफसी), भूमि अर्जन, पुनर्वास एवं पुन: स्थापना (आर एण्ड आर), वित्तीय पारामीटार, एचईएमएम की प्राप्ति, उत्पादन और कोयला निपटान संयंत्र (सीएचपी), सिलो और रेलवे साइडिंग जैसे अन्य प्रमुख आधारभूत संरचनाएँ शामिल है।
- कोयला मंत्रालय द्वारा नामित एजेंसियाँ आवंटित ब्लॉकों की ऑनलाइन मॉनीटरिंग के लिए इस पोर्टल को पहले ही अपना चुकी है।